PVG's

# Muktangan English School & Jr. College, Pune - 9

## Unit Test II (2024-25)

## Standard - IX

**Subject - Composite Hindi** | **Marks - 10**

**Date - 30.01.2025** | **Time : 9.30 am to 10.45 am**

**सूचना : शुद्ध भाषा एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है ।**

### विभाग १ - गद्य

**कृति १) निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।**

विश्वकर्मा सर को और शौक था - पढ़ने का । मैं उन्हें जब भी देखता, पढ़ते हुए देखता । गजब के पढ़ाकू थे वे । एकदम किताबी कीड़ा । धूप सेंक रहे हैं तो हाथों में किताब खुली है । टहल रहे हैं तो पढ़ रहे हैं । स्कूल में भी खाली पीरियड में उनकी मेज पर कोई-न-कोई पुस्तक खुली रहती । विश्वकर्मा सर को ढूँढ़ना हो तो वो पुस्तकालय में मिलेंगे । वे तो खाते समय भी पढ़ते थे ।

उन्हें पढ़ते देखकर मैं बहुत ललचाया करता था । उनके कमरे में जाने और उनसे पुस्तकें माँगने का साहस नहीं होता था कि कहीं घुड़क न दें कि कोर्स की किताबें पढ़ा करो । बस, उन्हें पढ़ते देखकर, उनके हाथों में रोज नई-नई पुस्तकें देखकर मैं ललचाकर रह जाता था। कभी-कभी मन करता कि जब बड़ा होऊँगा तो गुरु जी की तरह ढेर सारी किताबें खरीद लाऊँगा और ठाट से पढ़ूँगा । तब कोर्स की किताबें पढ़ने का झंझट नहीं होगा ।

एक दिन धुले बरतन भीतर ले जान के बहाने मैं उनके कमरे में चला गया । देखा तो पूरा कमरा पुस्तकों से भरा था । उनके कमरे में आलमारी नहीं थी इसलिए उन्होंने जमीन पर ही पुस्तकों की ढेरियाँ बना रखी थीं । कुछ चारपाई पर, कुछ तकिया के पास और कुछ मेज पर करीने से रखी हुई थीं । मैंने बरतन एक ओर रखे और स्वयं उस पुस्तक प्रदर्शनी में खो गया । मुझे गुरु जी का ध्यान ही नहीं रहा जो मेरे साथ ही खड़े मुझे देखकर मंद-मंद मुसकरा रहे थे ।

मैंने एक पुस्तक उठाई और इत्मीनान से उसका एक-एक पृष्ठ पलटने लगा ।

गुरु जी ने पूछा, ''पढ़ोगे ?''

मेरा ध्यान टूटा । ''जी पढ़ूँगा ।'' मैंने कहा ।

उन्होंने तत्काल छाँटकर एक पतली पुस्तक मुझे दी और कहा, ''इसे पढ़कर लौटा देना और दूसरी ले जाते रहना ।''

मेरे हाथ जैसे कोई बहुत बड़ा खजाना लग गया हो । वह पुस्तक मैंने एक ही रात में पढ़ डाली । उसके बाद गुरु जी से लेकर पुस्तकें पढ़ने का मेरा क्रम चल पड़ा ।

**१) i) आकृति पूर्ण कीजिए** **(१)**

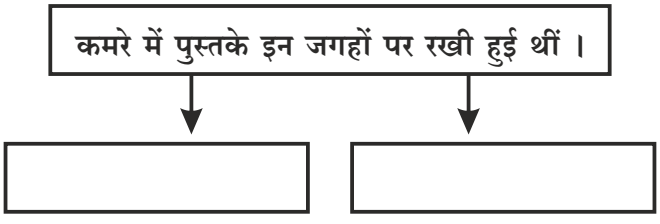

**ii) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।** **(१)**

१) समय **X** ☐

२) पास **X** ☐

**iii) गद्यांश में आए दो प्रत्यय युक्त शब्द ढूँढकर लिखिए।** **(१)**

१) ☐

२) ☐

**२) 'मेरे अध्यापक' इस विषय पर अपने विचार ६-८ पंक्तियों में लिखिए।** **(२)**

## विभाग २ - पद्य

**कृति २) निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।**

जन कोलाहल से दूर
कहीं एकाकी सिमटा-सा निवास
रवि-शशि का उतना नहीं
कि जितना प्राणों का होता प्रकाश।

श्रमवैभव के बल पर करते
हो जड़ में चेतन का विकास
दानों-दानों से फूट रहे
सौ-सौ दानों के हरे हास।

यह है न पसीने की धारा,
यह गंगा की है धवल धारा।
हे ग्रामदेवता नमस्कार!

जो है गतिशील सभी ऋतु में
गर्मी, वर्षा हो या कि ठंड
जग को देते हो पुरस्कार,
देकर अपने को कठिन दंड।

झोंपड़ी झुकाकर तुम अपनी
ऊँचे करते हो राजद्वार।
हे ग्रामदेवता नमस्कार!

तुम जन-गन-मन अधिनायक हो,
तुम हँसो कि फूल-फले देश,
आओ, सिंहासन पर बैठो
यह राज्य तुम्हारा है अशेष

**१) आकृति पूर्ण कीजिए।** **(१)**

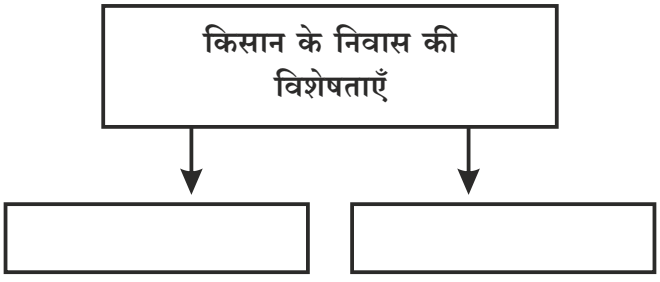

२) **निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए ।** **(१)**

**i)** कोलाहल = 

**ii)** धवल = 

३) **निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए ।** **(१)**

**i)** रवि – 

**ii)** गंगा – 

४) ''ज़ो है गतिशील ---------- कठिन दंड ।'' **(२)**

**इन पंक्तियों का सरल अर्थ अपने शब्दों में ६-८ पंक्तियों में लिखिए ।**

■■■